नाम..... अनुक्रमांक.....

प्री-बोर्ड परीक्षा, 2023

A/25,000

हिन्दी

कक्षा—10

समय : 3 घण्टा 15 मिनट] [पूर्णांक : 70

निर्देश—(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।
(ii) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है—खण्ड (अ) तथा खण्ड (ब)।
(iii) खण्ड-'अ' में 20 अंक के 20 बहुविकल्पीय प्रश्न दिए गए हैं।
(iv) खण्ड-ब में 50 अंक के वर्णनात्मक प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख निर्धारित अंक अंकित हैं।

खण्ड 'अ'

बहुविकल्पीय प्रश्न

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशानुसार OMR आन्सर शीट पर अंकित कीजिए—

1. निम्नलिखित में से कोई एक कथन सही है उसे पहचानकर लिखिए— 1
(A) जयशंकर प्रसाद प्रसिद्ध समालोचक हैं।
(B) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद प्रसिद्ध उपन्यासकार हैं।
(C) रामचन्द्र शुक्ल प्रसिद्ध निबन्धकार हैं।
(D) डॉ. भगवतशरण उपाध्याय कवि के रूप में विख्यात हैं।

Gyanoxtnuclasses

2. 'आकाशद्वीप' और 'ममता' कृति है— 1
(A) जयशंकर प्रसाद की (B) प्रेमचन्द की
(C) हजारीप्रसाद द्विवेदी की (D) दिनकर की

3. 'सागर की लहरों पर' किस विधा की रचना है? 1
(A) निबन्ध (B) यात्रावृत्त (C) संस्मरण (D) आलोचना

4. 'धर्मयुग' के सम्पादक कौन-थे? 1
(A) श्रीराम शर्मा (B) धर्मवीर भारती
(C) प्रेमचन्द (D) महादेवी वर्मा

5. 'भारत-दुर्दशा' रचना है— 1
(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (B) भूषण
(C) रामकुमार वर्मा (D) रायकृष्ण दास

6. वीरगाथा काल के कवि हैं— 1
(A) भूषण (B) केशवदास (C) चन्दबरदायी (D) छत्रसाल

7. भक्तिकाल की रचना है— 1
(A) साकेत (B) विनयपत्रिका (C) लहर (D) प्रेममाधुरी

8. सन्त कबीर की रचना है— 1
(A) दोहावली (B) गीतावली (C) प्रेम-सरोवर (D) बीजक

9. 'झरना' के रचयिता हैं— 1
(A) जयशंकर प्रसाद (B) सुमित्रानन्दन पंत
(C) महादेवी वर्मा (D) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

10. करुण रस का स्थायी भाव है— 1
(A) हास (B) शोक (C) रति (D) भयानक

11. 'आहुति-सी गिर चढ़ी चिता पर, चमक उठी ज्वालासी।' में कौन-सा अलंकार है? 1
(A) श्लेष (B) उत्प्रेक्षा (C) उपमा (D) अनुप्रास

12. 'जिनके आगे ठहर, सके न जंगी जहाजी, हैं
ये वही प्रसिद्ध, छत्रपति भूप शिवाजी।' में प्रयुक्त छन्द है— 1
(A) रोला (B) सोरठा (C) दोहा (D) चौपाई

13. निम्न में 'निर्' उपसर्ग कौन-से शब्द में प्रयुक्त हुआ है? 1
(A) निवास (B) निर्वाह (C) निवेश (D) सुमार्ग

14. 'चढ़ावा' शब्द में प्रत्यय है— 1
(A) आवा (B) वा (C) अ (D) आ

15. 'भीमार्जुनौ' में समास है— 1
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व (C) कर्मधारय (D) बहुव्रीहि

16. 'गर्गर' शब्द का तद्भव शब्द होगा— 1
(A) गोवर (B) गात (C) गौरा (D) गागर

Gyansindhuclasses

17. 'अभ्यागत:' का सन्धि-विच्छेद है— 1
(A) अभ्या + गत: (B) अभि + आगत:
(C) अभि + गत: (D) अभियोग + त:

18. 'नदीषु' किस विभक्ति एवं वचन का रूप है— 1
(A) सप्तमी विभक्ति बहुवचन (B) षष्ठी विभक्ति बहुवचन
(C) सप्तमी विभक्ति एकवचन (D) इनमें से कोई नहीं

19. 'अहसम्' 'हस्' धातु के किस लकार का रूप है? 1
(A) लङ्लकार (B) लोट्लकार (C) लृट्लकार (D) लट्लकार

20. 'पठ्' धातु लृट्लकार प्रथम पुरुष एकवचन का रूप होगा— 1
(A) पठिष्यति (B) पठिष्यामि (C) पठिष्यसि (D) पठिष्यथ

खण्ड-'ब'

वर्णनात्मक प्रश्न

21. अधोलिखित गद्यांशों में से किसी एक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2+2+2=6

अहिंसा का दूसरा नाम या दूसरा रूप त्याग है और हिंसा का दूसरा रूप या दूसरा नाम स्वार्थ है, जो प्राय: भोग के रूप में हमारे सामने आता है। पर हमारी सभ्यता ने तो भोग भी त्याग से ही निकाला है और भोग भी त्याग में ही पाया है। श्रुति कहती है—'तेन त्यक्तेन भुञ्जीया:'। इसी के द्वारा हम व्यक्ति-व्यक्ति के बीच का विरोध, व्यक्ति और समाज के बीच का विरोध, समाज और समाज

के बीच का विरोध, देश और देश के बीच का विरोध, मिटाना चाहते हैं। हमारी सारी नैतिक चेतना इसी तत्व से ओत-प्रोत है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) हमारे नैतिक सिद्धान्तों में अहिंसा का दूसरा नाम क्या बताया है?

अथवा

यह हाथ में कमल लिए बुद्ध खड़े हैं, जैसे छवि छलकी पड़ती है, उभरे नयनों की जोत परोसती जा रही है और यह यशोधरा है वैसे ही कमलनाल धारण किए त्रिभङ्ग में खड़ी और यह दृश्य है महाभिनिष्क्रमण का—यशोधरा और राहुल निद्रा में खोए, गौतम दृढ़ निश्चय पर धड़कते हिया को संभालते। और यह नन्द हैं, अपनी पत्नी सुन्दरी का भेजा, द्वार पर आए बिना भिक्षा के लौटे भाई बुद्ध को जो लौटाने आया था और जिसे भिक्षु बन जाना पड़ा था।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) उपर्युक्त गद्यांश में कहाँ के दृश्यों का चित्रण किया गया है?

22. अधोलिखित पद्यांश में से किसी एक पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2+2+2=6

ऊधौ मन न भए दस बीस
एक हुतौ सो गयौ स्याम सँग, को अवराधै ईस।
इंद्री सिथिल भई केसव बिन, ज्यौं देहि बिनु सीस।
आसा लागि रहति तन स्वासा, जीवहिं कोटि बरीस।
तुम तौ सखा स्याम सुन्दर के, सकल जोग के ईस।
सूर हमारै नंदनंदन बिनु, और नहीं जगदीस।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) निराकार ब्रह्म की उपासना के सन्दर्भ में गोपियाँ उद्धव से क्या कह रही हैं?

अथवा

यहीं कहीं पर बिखर गई वह
भग्न विजय-माला-सी।
उसके फूल यहाँ संचित हैं,
है यह स्मृति-शाला-सी।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) रानी की स्मृतिशाला क्या है?

23. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी **एक** लेखक का जीवन-परिचय एवं उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए— 3+2=5

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(iii) भगवतशरण उपाध्याय

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी **एक** कवि का जीवन-परिचय एवं उनकी **एक** प्रमुख रचना का नाम लिखिए— 3 + 2 = 5

(i) रसखान (ii) सुमित्रानन्दन पन्त (iii) रामनरेश त्रिपाठी

24. (क) अधोलिखित संस्कृत गद्यांश का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2 + 3 = 5

"विश्वस्य सृष्टा ईश्वरः एक एव" इति भारतीय-संस्कृतेः मूलम्। विभिन्नमतावलम्बिनः विविधैः नामभिः एकम् एव ईश्वरम् भजन्ते। अग्निः, इन्द्र, कृष्ण, करीमः, रामः, रहीम, जिनः, बुद्धः, ईसा, अल्लाह इत्यादीनि नामानि एकस्य एवं परमात्मनः सन्ति। तम् ईश्वरं जनाः गुरुः इत्यदि मन्यते। अतः सर्वेषां मतानां समभावः सम्मानश्च अस्माकं संस्कृतेः सन्देशः।

अथवा

अस्माकं संस्कृतिः गतिशीला वर्तते। मानवजीवनं सुस्कर्तुम् एषा यथासमयं नवां नवां विचारधारां स्वीकरोति, नवां शक्तिं च प्राप्नोति। अत्र दुराग्रहः नास्ति। यत् युक्तियुक्तं कल्याणकारि च तदत्र सहर्षं गृहीतं भवति एतस्याः गतिशीलतायाः रहस्यं मानवजीवनस्य शाश्वतमूल्येषु निहितम्, तद् यथा सत्यस्य प्रतिष्ठा, सर्वभूतेषु समभावः विचारेषु औदार्यम्, आचारे दृढ़ता चेति।

(ख) अधोलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी **एक** का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 2 + 3 = 5

Gyansindhuclasses

सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुःखभागभवेत्॥

अथवा

माता गुरुतरा भूमेः खात् पितोच्चतरस्तथा।
मनः शीघ्रतरं वातात् चिन्ता बहुतरी तृणात्।।

25. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए— 2 + 2 = 4

(i) गीतायाः कः सन्देशः? (ii) कुत्र लोहमयं विज्ञातम्?
(iii) पदेन विना किम् दूरम् याति? (iv) चन्द्रशेखरः स्वनाम किम् अकथयत्?

26. अपनी पाठ्य पुस्तक से कठस्थ किया गया **एक** श्लोक लिखिए, जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो। 2

27. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए— 9

(i) अनुशासन का महत्व (ii) नारी-शिक्षा
(iii) स्वास्थ्य शिक्षा (iv) पर्यावरण सुरक्षा
(v) यातायात के नियम

28. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए। 3

अथवा

स्वपठित खण्डकाव्य के 'पंचम सर्ग' का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।